जैन विद्या के आयाम भाग-३ पं. दलसुख मालवणिया अभिनन्दन ग्रन्थ(फोल्डर नं. ००१६८३)

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

विषय-सूची

पं. दलसुख मालवणिया – व्यक्तित्व एवं कृतित्व ---------- ९

हिन्दी विभाग

आचारांग एवं कल्पसूत्र में वर्णित महावीर चरित्रों का विश्लेषण एवं उनकी पूर्वापरता का प्रश्न – के. आर. चन्द्रा---------- १

अन्तकृद्दशा की विषय वस्तु–एक पुनर्विचार – सागरमल जैन ----------१२

चंद्रप्रज्ञप्ति और सूर्यप्रज्ञप्ति का पर्यवेक्षण – मुनि श्री कन्हैयालालजी ---------- १९

अंग आगमों के विषयवस्तु सम्बन्धी उल्लेखों का तुलनात्मक विवेचन – सुदर्शनलाल जैन ----- ५०

श्रमण ज्ञान-मीमांसा – भागचन्द्र जैन भास्कर ---------- ८६

बृहद्गच्छ का संक्षिप्त इतिहास – शिवप्रसाद ---------- १०५

नाट्यदर्पण पर अभिनवभारती का प्रभाव – काजी अंजुम सैफी ----------११८

षट्त्रिंशिका या षट्त्रिंशतिका-एक अध्ययन – अनुपम जैन एवं सुरेशन्च्दर अग्रवाल ---------- १३७

विमलसूरि कृत पउमचरिय में प्रतिमाविज्ञान परक सामग्री – मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी एवं कमलगिरि ---------- १४८

जैनतन्त्र साधना में सरस्वती – मारुतिनन्दन तिवारी एवं कमलगिरि ---------- १५८

चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर के तीन जैन प्रतिमा-लेख – अरविन्द कुमार सिंह---------- १७२

गुजरात से प्राप्त कुछ महत्त्वपूर्ण जैन प्रतिमायें – प्रमोदकुमार त्रिवेदी ---------- १७४

कालिदास की रचनाओं में अहिंसा की अवधारणा – रविशंकर मिश्र ---------- १७८

उग्रादित्याचार्य का रसायन के क्षेत्र में योगदान – नन्दलाल जैन ---------- १८४

संडेरगच्छ का इतिहास – शिवप्रसाद---------- १९४

सूत्रकृतांग में वर्णित कुछ ऋषियों की पहचान – अरुण प्रताप सिंह ---------- २१८

ऋषिभाषित और पालिजातक में प्रत्येक बुद्ध की अवधारणा – दशरथ गोंड ---------- २२७

आगमिक गच्छ-प्राचीन त्रिस्तुतिक गच्छ का इतिहास – शिवप्रसाद ---------- २४१

English Section

1. The Rules Concerning Speech (Bhasa) in the Ayaranga & Dasaveyaliya Sutras – Collette Calliat----------1
2. Uttarajjhayana Sutta XIV – Usuyarjjarah – K. R. Norman ---------- 16
3. Reflections on the Jaina Exgetical Literature – B. K. Khadabadi ---------- 27
4. Tirthankaras of the Future – Nalini Balbira---------- 34
5. The Isibhasiyai & Pali Buddhist Texts – A Study – C S Upasak ---------- 68
6. Asita Devel in Isibhasiyai – Lallanji ---------- 74
7. Asrava-How Does it flow? – Alex Wayman ---------- 88
8. Concept of Jiva (Soul) in Jaina Philosophy – J C Sikdar ---------- 96
9. Nataputta in Early Nirgrantha Literature – M A Dhaky---------- 120

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

10. The Concept of Mind in Jainism – T G Kalghatgi---------- 125
11. A Propos of the Botika Sect – M. A. Dhaky & S. M. Jain---------- 131
12. Reconcliation of Buddhist & Vedantic Notion of Self – Y S Shastri ---------- 140
13. Paurandara Sutra – El. Franco---------- 154
14. On the translation of the Basic Nysya Terms-Paksa, Hetu & Drstana – D D Daye ---------- 164
15. Philosophy of Acaranga Sutra – Joharimal Parikh---------- 174
16. The Date of Kundakundacarya – M A Dhaky---------- 187

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org